Training cum Awareness Programme on "Cage Aquaculture: A Profitable Livelihood Option"

"पिंजरा आधारित मत्स्य पालन: एक लाभकारी आजीविका विकल्प" विषय पर एक प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन 24–25 मार्च 2026 को अहमदनगर जिले के अकोले तालुका के पाडोशी गांव में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण समुदायों के बीच केज एक्वाकल्चर को एक सतत एवं आय सृजन करने वाले व्यवसाय के रूप में बढ़ावा देना था। इस कार्यक्रम में कुल 110 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें 75 पुरुष और 35 महिलाएं शामिल थीं, जो समुदाय की मजबूत रुचि और सहभागिता को दर्शाता है। इस कार्यक्रम का आयोजन सह्याद्री कृषि उद्योजक गट, पाडोशी, अहमदनगर के सहयोग से किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में केज मत्स्य पालन के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल किया गया, जैसे कि स्थान चयन, केज स्थापना, प्रजाति चयन, आहार प्रबंधन, स्वास्थ्य प्रबंधन तथा फसल कटाई (हार्वेस्टिंग) तकनीकें। विशेषज्ञों ने व्यावहारिक जानकारी प्रदान की और प्रतिभागियों को केज एक्वाकल्चर को प्रभावी रूप से अपनाने हेतु सर्वोत्तम प्रथाओं से अवगत कराया। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को केज मत्स्य पालन की प्रारंभिक गतिविधियों में सहायता हेतु विभिन्न आकार के मछली पकड़ने के जाल (फिशिंग नेट्स) वितरित किए गए। समग्र रूप से यह कार्यक्रम सफल रहा और इससे केज एक्वाकल्चर के प्रति जागरूकता एवं तकनीकी ज्ञान में वृद्धि हुई, जिससे किसानों एवं मछुआरों को इसे एक लाभकारी आजीविका विकल्प के रूप में अपनाने के लिए प्रेरणा मिली।

यह कार्यक्रम एक्वाकल्चर प्रभाग के डॉ. कपिल सुखधाने, डॉ. माधुरी पाठक एवं डॉ. उपासना साहू द्वारा समन्वित किया गया।

A Training cum Awareness Programme on "Cage Aquaculture: A Profitable Livelihood Option" was successfully organized on 24-25 March 2026 at Padoshi village in Akole taluka of Ahilyanagar district. The programme aimed to promote cage aquaculture as a sustainable and income-generating activity among rural communities. A total of 110 participants attended the programme, including 75 men and 35 women, reflecting strong community interest and participation. The event was organized in collaboration with Sahyadri Krishi Udyojak Gat, Padoshi, Ahilyanagar. The training programme covered various important aspects of cage farming, including site selection, cage installation, species selection, feeding management, health management, and harvesting techniques. Experts provided practical insights and shared best practices to help participants adopt cage aquaculture effectively. As part of the programme, fishing nets of different sizes were distributed to the participants to support their initial efforts in cage farming. Overall, the programme was well-received and contributed to enhancing

awareness and technical knowledge about cage aquaculture, encouraging farmers and fishers to adopt it as a profitable livelihood option. He programme was coordinated by Dr. Kapil SUkhdhane., Dr. Madhuri Pathak and Dr. Upasana Sahoo of the Aquaculture division.

"जागरूकता आणि प्रदर्शिनी कार्यक्रम"

"जागरूकता आणि प्रदर्शिनी कार्यक्रम"
पिंजरा मत्स्यपालन: आदिवासी युवक-युवतींसाठी उदरनिर्वाहाचा एक उत्तम पर्याय
24-26 मार्च 2026

"जागरूकता आणि प्रदर्शिनी कार्यक्रम"
पिंजरा मत्स्यपालन: आदिवासी युवक-युवतींसाठी उदरनिर्वाहाचा एक उत्तम पर्याय
24-26 मार्च 2026
पाडोशी, अहिल्यानगर
आयोजक
सह्याद्री कृषी उद्योजक गट
भाकृअनुप - केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षण संस्था, मुंबई